वार्षिक प्रतिवेदन 2021—22

विभाग — समाज कार्य (M.S.W.)

सन् 1958 से इस महाविद्यालय का प्रारंभ हुआ जो धीरे—धीरे जिले का सबसे बड़ा महाविद्यालय बन गया है। 2013 मे महाविद्यालय में रोजगारोन्मुखी 07 नये पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गये। इनमें से एक स्नातकोत्तर स्तर में समाजकार्य पाठ्यक्रम है। जुलाई 2013 से यह विभाग संचालित है। वर्तमान में इस विषय के चतुर्थ सेमेस्टर में 19 एवं द्वितीय सेमेस्टर में 19 विद्यार्थी अध्ययनरत् है।

1. कार्यरत सहायक प्राध्यापक —

1. श्री शोभित साहू :—MSW,MA (sociology),PGDRD,PGDCA,
2. श्री सुनील मिश्रा :—MSW,MBA,LLB

2. समाजकार्य परिषद गठन — प्रतिवर्ष की भाँति ही इस वर्ष समाजकार्य विभाग में परिषद का गठन किया गया। परिषद द्वारा विभिन्न गतिविधियों जैसे समूह अध्ययन,समूह चर्चा,वाद विवाद प्रतियोगिता,क्षेत्रीय कार्य,सामाजिक कार्य,स्वच्छता अभियान आदि का संचालन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। समाजकार्य परिषद के सदस्य निम्न प्रकार से है —

अध्यक्ष :— कुमारी लत्ता साहू

उपाध्यक्ष :— प्राची शर्मा

सचिव :— श्रुति हरिहरणो

सहसचिव :— निशा कौमार्य

अन्य सभी विद्यार्थी परिषद् के सदस्य है।

<u>विभागीय बैठक</u> :—विभाग द्वारा प्रति माह विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मे मुख्य रूप से विद्यार्थी के विषय से संबंधित शंका समाधान हेतु विभिन्न कक्षाओं के आयोजन पाठ्यक्रम के समय पर पूर्ण करने संबंधी चर्चा प्रोजेक्ट कार्य से संबधित विषय पर विचार विमर्श व विस्तार गतिविधि, सेमीनार, आंतरिक मूल्यांकन से संबंधित चर्चा किया गया। जिसमें 20 नवम्बर को विभागीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमे स्नातकोत्तर स्तर की आंतरिक मूल्यांकन से संबंधित और आगामी विस्तार गतिविधि के संबंध मे चर्चा किया गया 3 दिसंबर 2021 की विभागीय बैठक मे स्नातकोत्तर स्तर की पाठ्यक्रम समय सीमा पर पूर्ण करने संबंधी चर्चा किया गया। 14 जनवरी 2022 की विभागीय बैठक मे सेमेस्टर परीक्षा उपरांत कक्षाओं के संचालन अतिथि व्याख्यान अंतर्विष्यक् व्याख्यान एलुमिनी बैठक छात्र शिक्षक अभिभावक बैठक के आयोजन संबंधी चर्चा किया गया।

<u>अध्ययन मंडल की बैठक</u> :—दिनांक 15 जुलाई 2021 को समाज कार्य विभाग के स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम के निर्धारण हेतु अध्ययन मंडल की बैठक आहूत की गई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज कार्य के स्नातकोत्तर स्तर पर सत्र 2021—22 के लिए यथावत रखा जाए।

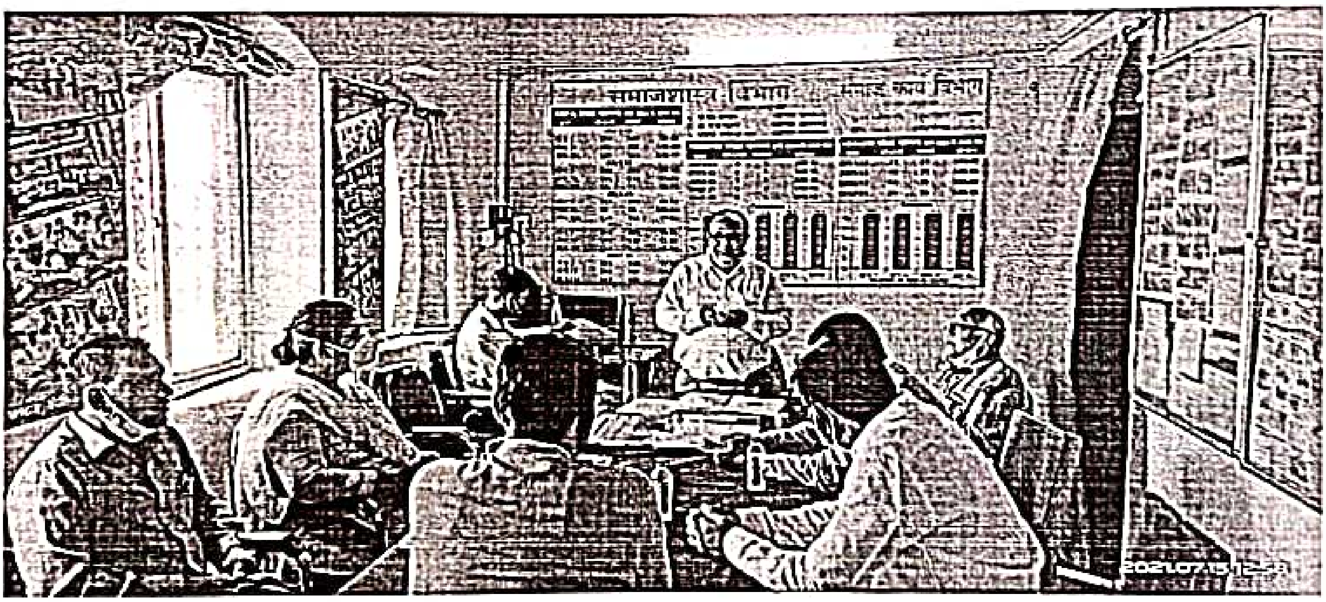

<u>रमेडियल व स्लोंलनर्स कक्षाए</u> :—विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर कमजोर विद्यार्थियों हेतु विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती है तथा इसके विषय से संबंधित विषय पर चर्चा,शंका समाधान,उत्तर लेखन शैली तथा विगत 5 वर्षों के प्रश्न उत्तर पर चर्चा की जाती है।

<u>शिक्षण कौशल</u> :—विभाग द्वारा प्रति सप्ताह पाठ्यक्रम से संबंधित विषय पर सामूहिक चर्चा प्रेजेंटेशन,वाद—विवाद आदि का आयोजन किया जाता है। जिसमें विद्याथियों को विषय की गहन व सारगर्भित जानकारी प्राप्त हो सके तथा वाक्य व लेखन क्षमता का विकास हो सके।

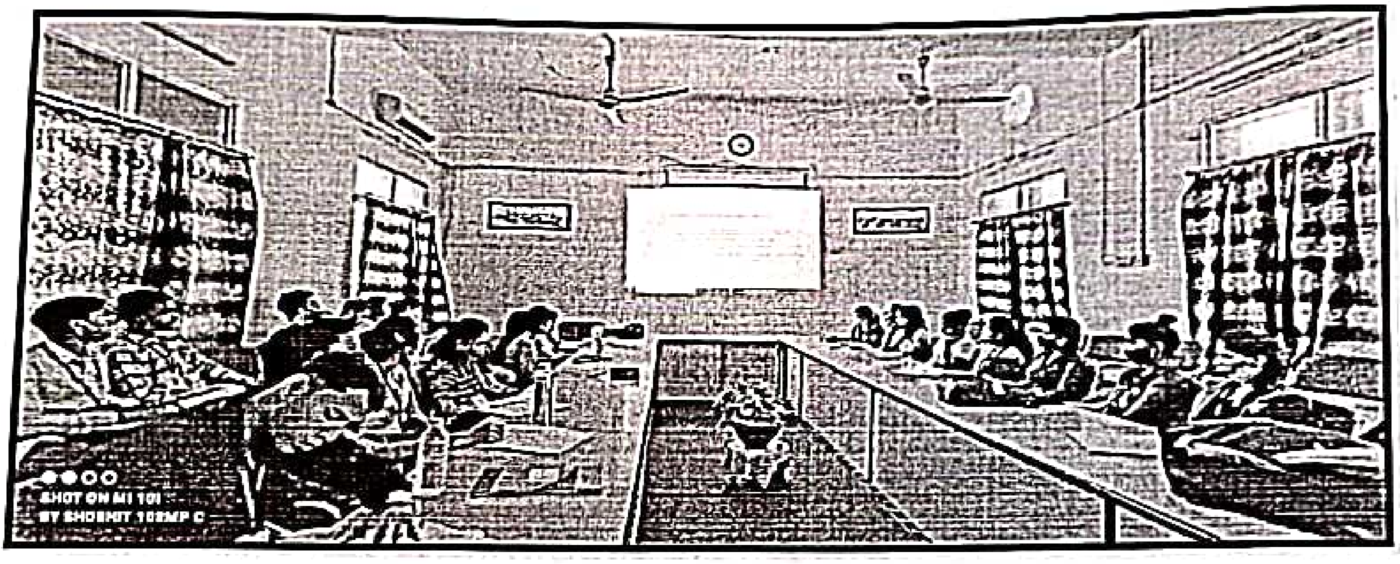

<u>एडवांस लर्नर कक्षाएं</u> :—एडवांस लर्नर कक्षाओं के अंतर्गत विद्यार्थियो को लेखन शैली,व्यक्तित्व विकास टॉपिक के अनुसार चर्चा व इलेक्ट्रनिक माध्यम के उपयोग पर जो दिया जाता है। सभी कक्षाओं को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचना व अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई है साथ परीक्षा पैटर्न के बारे मे जानकारी दिया गया।

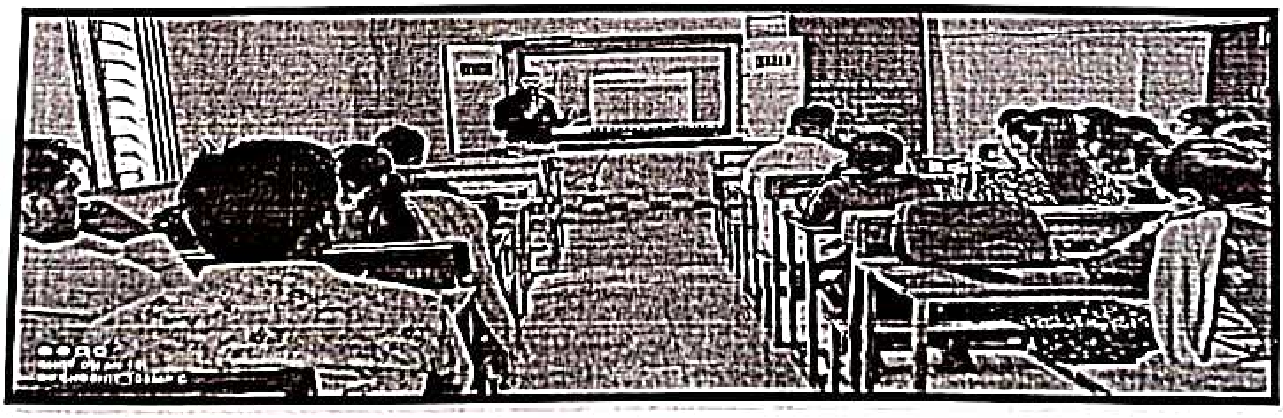

छात्र शिक्षक अभिभावक बैठक :—

दिनांक 2 फरवरी 2021 को सगाजकार्य विभाग गे वर्चुअल रूप रो शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया जिरागें मुख्य वक्ता के रूप मे प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर शासकीय दिग्विजय स्व.स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव उपस्थित थे। प्राचार्य महोदय ने अभिभावको को संबोधित करते हुए कहा की यह शिक्षक—अभिभावक बठक हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। माता—पिता और शिक्षक का एक ही लक्ष्य होता है,बच्चे की सफलता। माता—पिता,शिक्षक और बच्चे की साझेदारी शिक्षा व्यवस्था को समृद्ध और प्रभावी बनाती है। एक सफल अभिभावक के सहयोग के लिए,आपको शिक्षकों के साथ निरंतर बातचीत करने की आवश्यकता होती है। बच्चों की शिक्षा और सम्पूर्ण विकास महत्वपूर्ण है। बैठक में उपस्थित निशा कोमार्य,मिनाक्षी चंद्राकर,कृष्णा नागवंशी,सिघार्थ नसीने,प्राची शर्मा के अभिभावको ने महाविद्यालय के शैक्षणिक गतिविधयों के लिए धन्यवाद दिये और कहा के महाविद्यालय इसी प्रकार से सहयोग करते रहे। इस प्रकार से बैठक मे उपस्थित सभी अभिभावकों ने अपने—अपने अभिमत रखे।

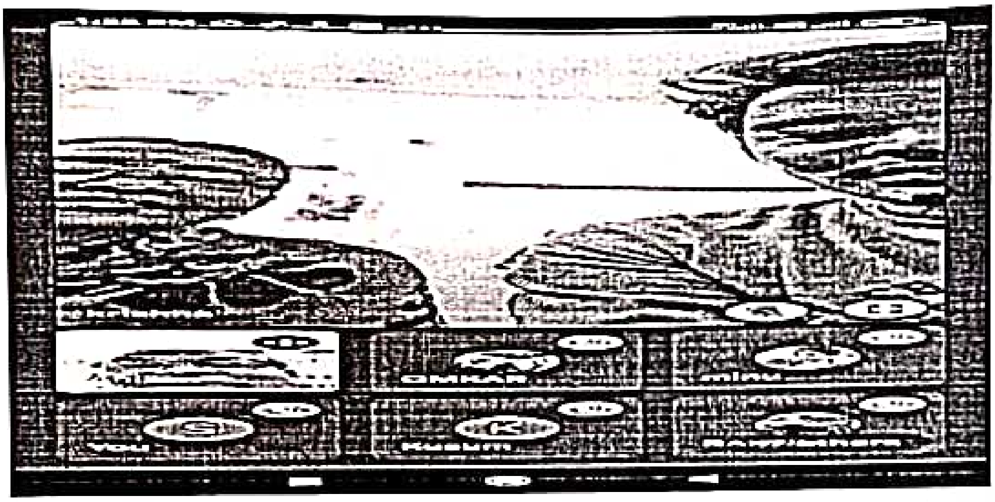

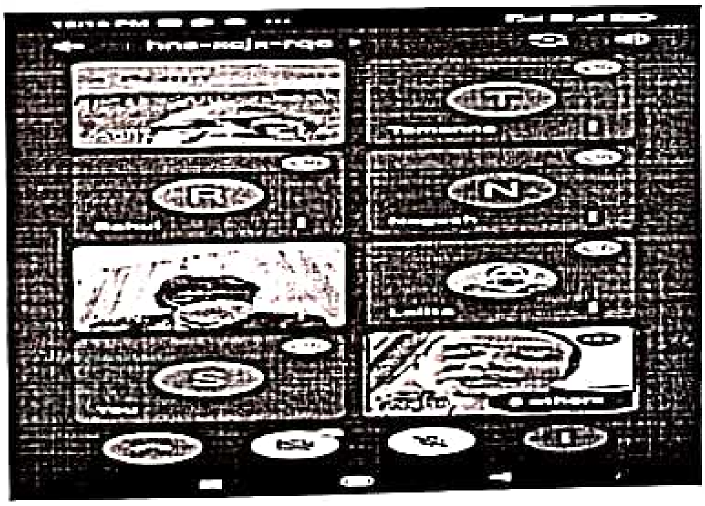

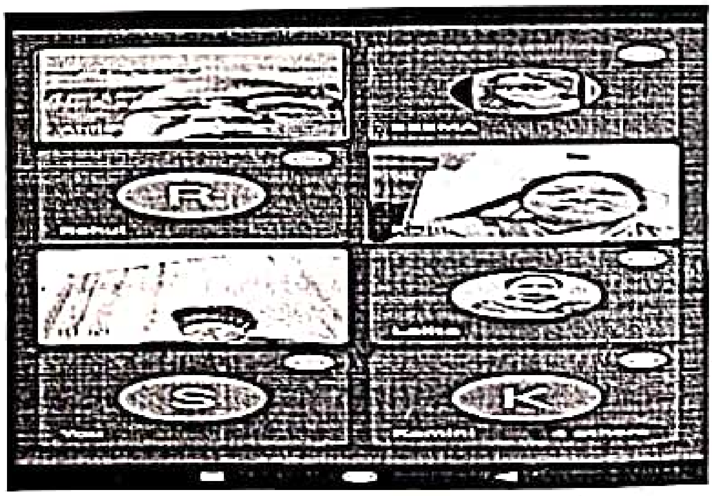

विस्तार गतिविधि –

विश्व एड्स दिवस :–

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर दिनांक 01/12/21 को समाज कार्य विभाग द्वारा राजनांदगांव शहर के मंदई चौक और कौरिनभांठा कमला कॉलेज रोड में जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य एड्स के प्रति लोगों में फैली भ्रांतियां गलत धारणाओं को दूर करना,एड्स की गंभीरता के प्रति लोगों को सचेत करना तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक करना था। इस जन जागरूकता कार्यक्रम में स्कूल के बच्चे,समाज कार्य विभाग के विद्यार्थी व जनप्रतिनिधि शामिल हुए। एच.आई.वी. एड्स से संबंधित बातों के जागरूकता हेतु नारो (स्लोगन) व पोस्टर तथा तथ्यों के माध्यम से रैली का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह बताया गया की एड्स कैसे फैलता है और एड्स से कैसे बचा जा सकता है इसके अलावा एड्स कैसे नहीं फैलता है जैसी बातों पर लोगों का ध्यान केंद्रित किया गया। इस प्रकार से जनप्रतिनिधि समाजकार्य के विधार्थियों के प्रयास से यह कार्यक्रम सफल रहा रहा।

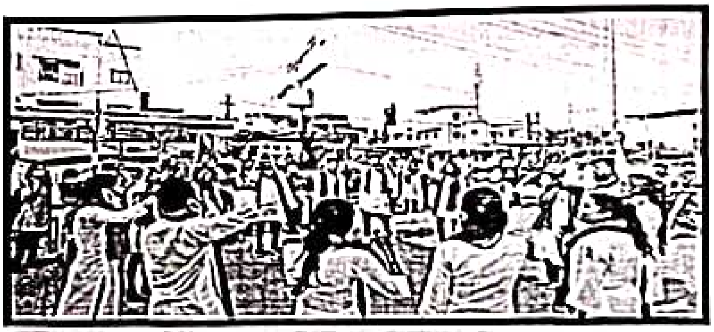

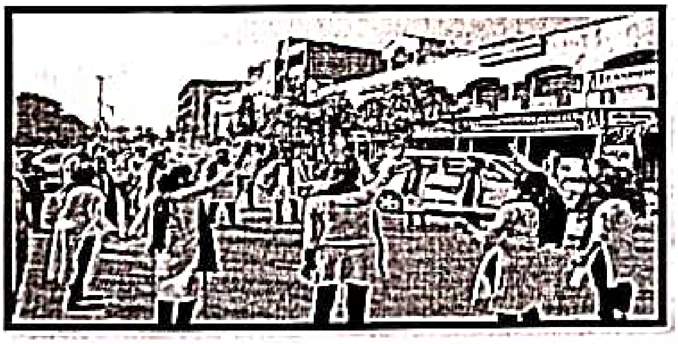

"विश्व मानव अधिकार"

10 दिसंबर 2021 को "विश्व मानव अधिकार" दिवस के अवसर पर समाज कार्य विभाग के द्वारा ग्राम सिंघोला मे जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य –ग्राम सिंघोला मे व्यक्ति के मौलिक अधिकार के प्रति लोगों में रैली के माध्यम से जागरूकता लाया जा सके ताकि लोग अपने मौलिक अधिकारों को समझ सके। इसके अलावा शास. उच्चतर माध्यमिक शाला सिंघोला मे स्कूली छात्र–छात्राओ के मन मे मौलिक अधिकारों के तत्वों के संचार हेतु छात्राओ मे मौलिक अधिकार के थीम पर रंगोली पोस्टर बनाओ तथा मानव अधिकार विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया आयोजन मे भाग लिये छात्रों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रमाण पत्र व प्रगति शील्ड प्रदान किया गया इस जागरूकता कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे डॉ.एल.सी. ठाकरे (मेंबर–कृषि मंत्रालय भारत सरकार छ.ग. प्रभारी व अध्यक्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग),सिंघोला स्कूल के प्राचार्य धनी राम देवांगन,सिंघोला के सरपंच मुकेश साहू समाज कार्य विभाग के प्राध्यापकगण और छात्र–छात्राओं के विशेष योगदान से इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वकसंपन्न किया।

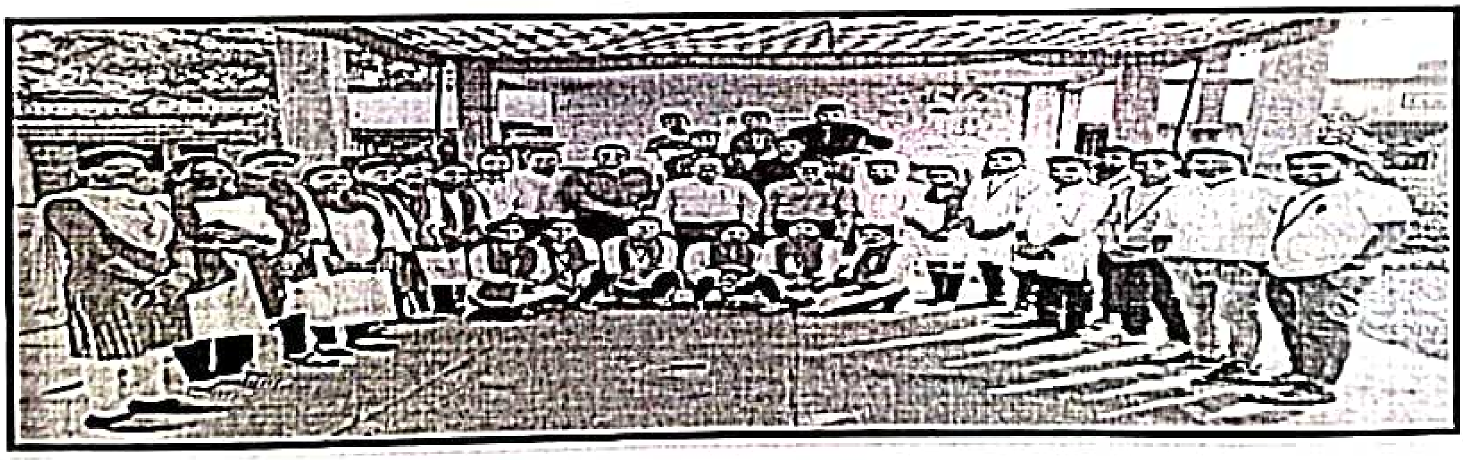

रक्तदान शिविर
स्थान — जिला चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.)

दिनांक 26 जनवरी 2022, को 73वां गणतंत्र दिवस के अवसर पर समाजकार्य विभाग के छात्रों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय बसंतपुर राजनांदगांव में किया गया। इस रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त उपलब्ध कराना एवं समाज के युवाओं को रक्तदान हेतु जागरूक व प्रोत्साहित करना था।

इस रक्तदान शिविर मे समाज कार्य के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा 10 यूनिट रक्तदान किया गया। जिनमें पवन कुमार,हेमंत निषाद,जितेश साहू,गुलेंद्र सिन्हा,उत्कर्ष मिश्रा,उज्जवल कुर्रे,अभय यादव एवं तेजस्वी वर्मा द्वारा रक्तदान किया गया। इस इस प्रकार से समाज कार्य के विद्यार्थियों के द्वारा यह रक्तदान शिविर का संचालन सफलतापूर्वक किया गया।

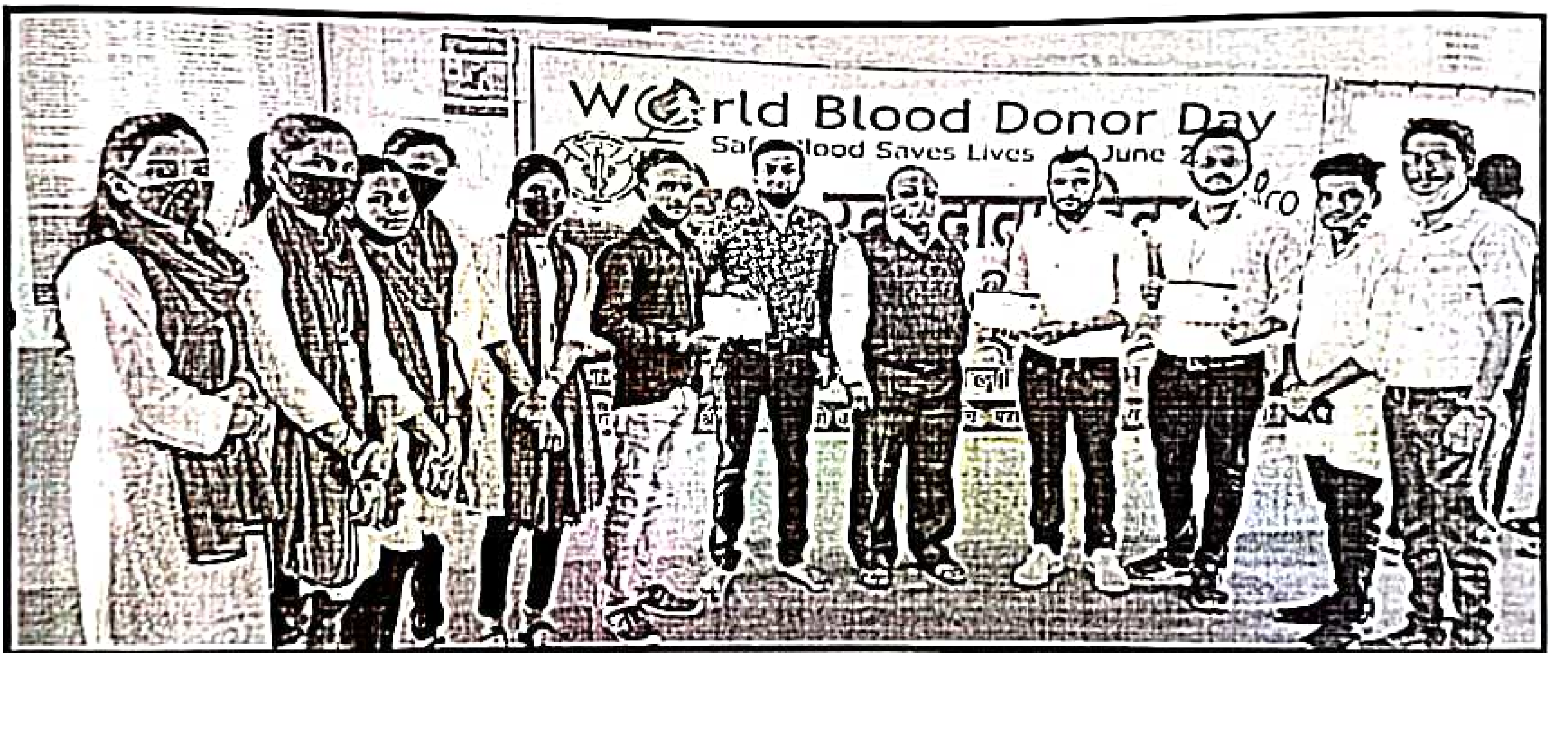

समाज कार्य विभाग

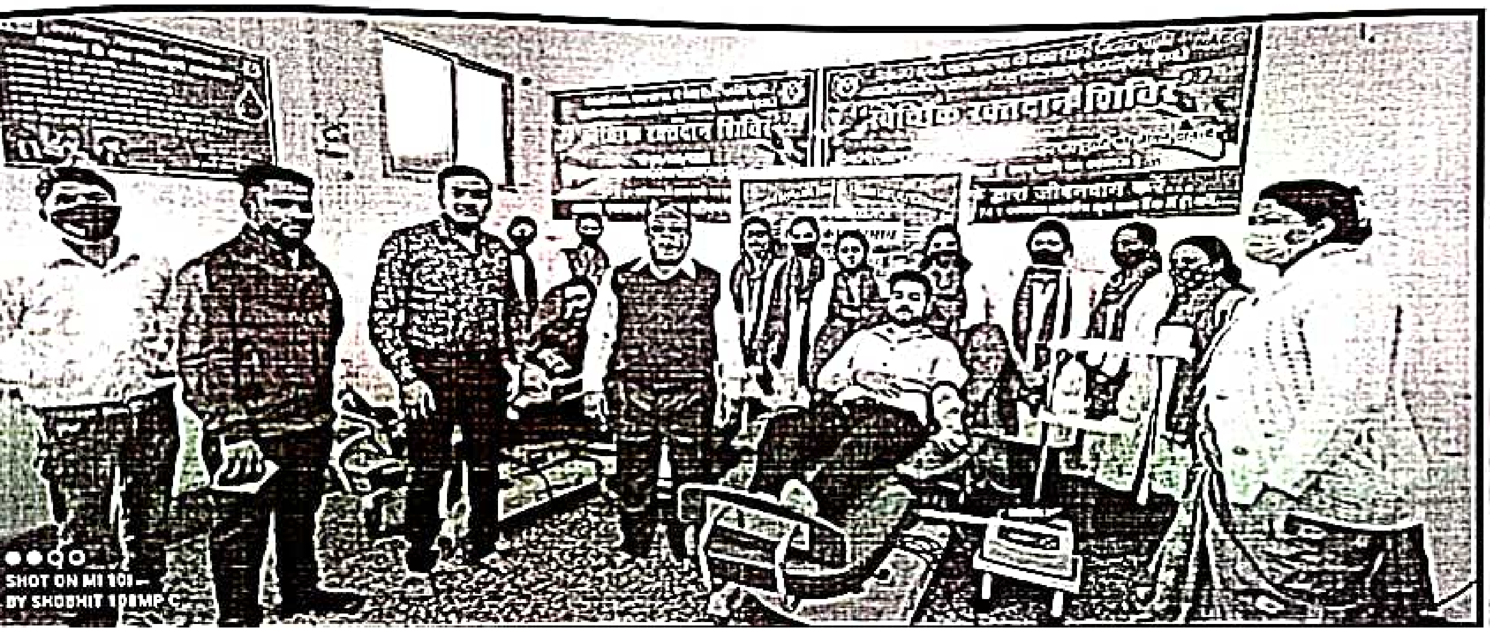

सघन पल्स पोलियो अभियान,जिला–राजनांदगांव,वर्ष 2022 :–

दिनांक 27 फरवरी से 1 मार्च 2022 तक पल्स पोलियो अभियान अंतर्गत राजनांदगांव शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग राजनांदगांव के सहयोग से समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने 0 से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने मं स्वास्थ्य विभाग राजनांदगांव का सहयोग किय। इस अभियान में समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन किये। जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा समाजकार्य विभाग के छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

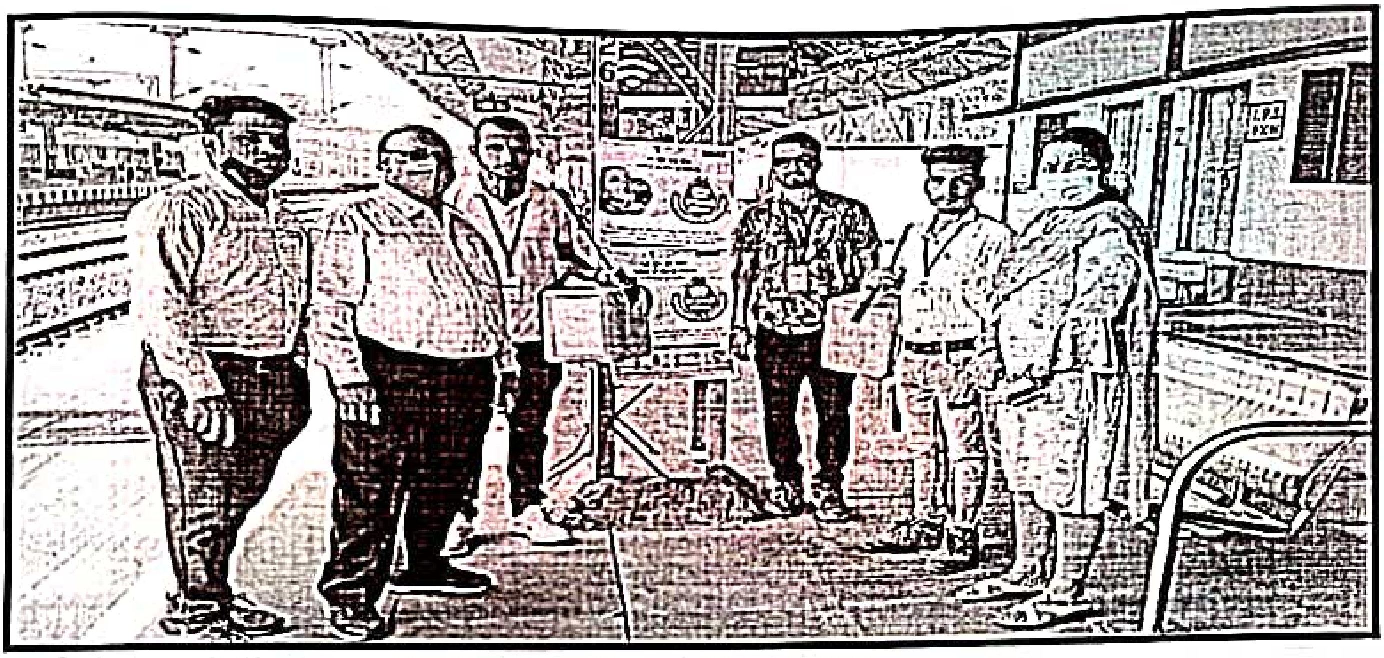

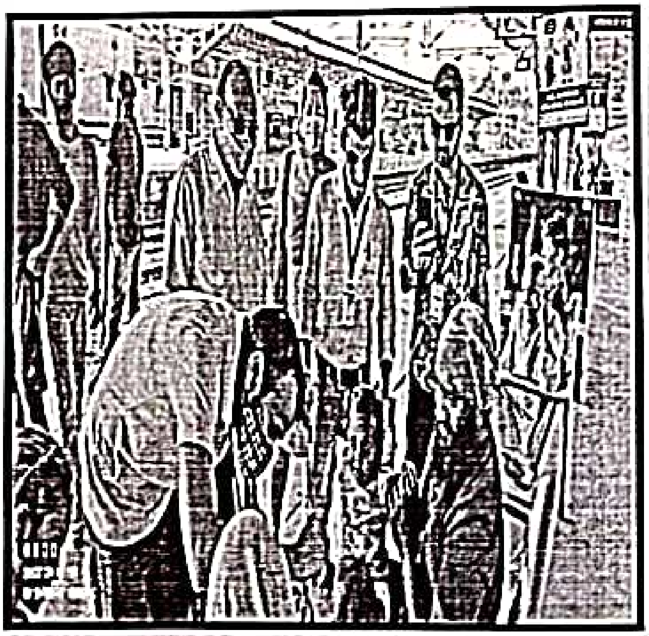

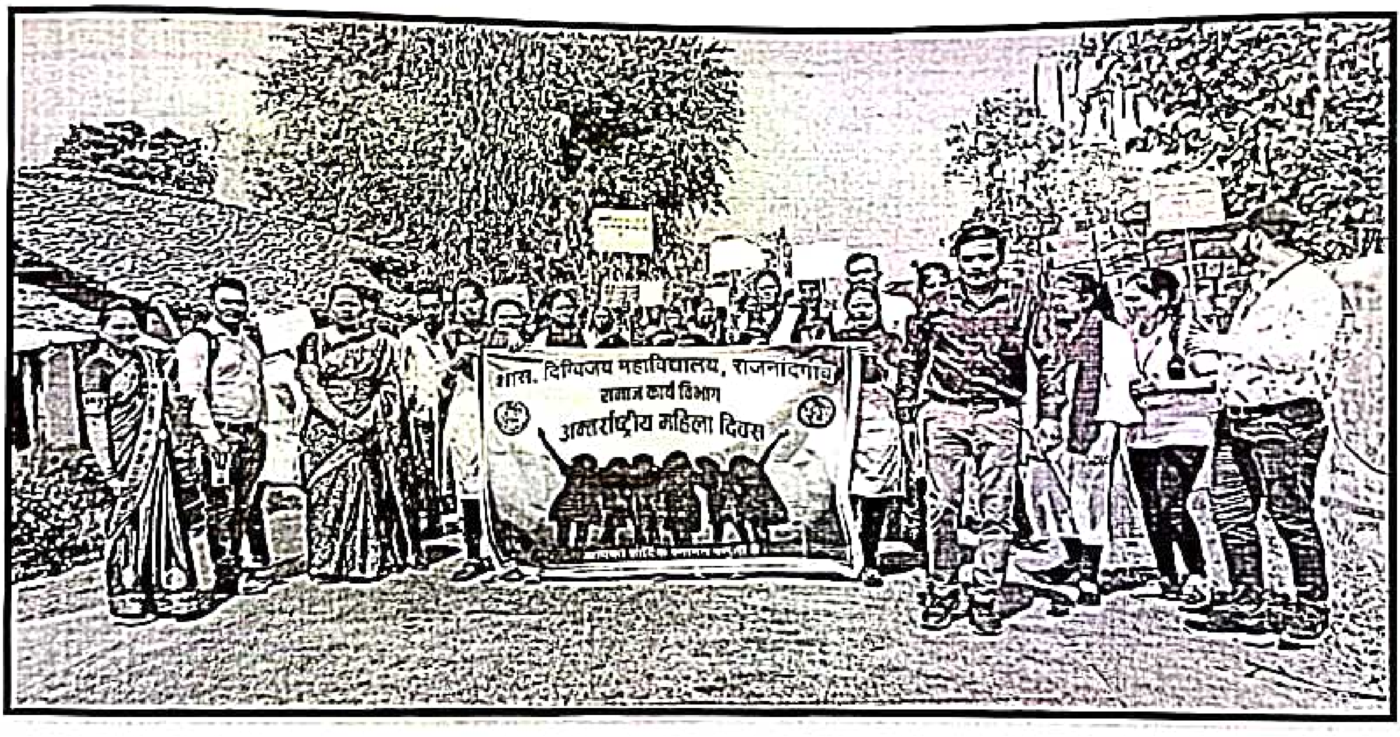
शास. दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
समाज कार्य विभाग
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अतिथि व्याख्यान :–

दिनांक 01/02/2022को समाजकार्य विभाग मे वर्चुअल रूप से "हाउ टू राइट प्रोजेक्ट" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ व मुख्य वक्ता के रूप मे डॉ. सपना शर्मा सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग शास. विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग के द्वारा समाजकार्य के विद्यार्थियो को सामाजिक अनुसंधान के अंतर्गत "हाउ टू राइट प्रोजेक्ट" विषय के बारे मे विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिया गया। डॉ. सपना शर्मा ने शोध–प्रक्रिया के विविध चरण जैसे–विषय–निर्धारण,शोध–समस्या निर्धारण,सम्बन्धित साहित्य का व्यापक सर्वेक्षण,परिकल्पना या प्राकल्पना का निर्माण,शोध की रूपरेखा तैयार करना, तथ्य–संग्रह एवं तथ्य–विश्लेषण,परिकल्पना की जाँच,सामान्यीकरण एवं व्याख्या शोध प्रतिवेदन तैयार करनातथा संपूर्ण शोध कार्य के लिए बजट तैयार कैसे करे बजट मे किन–किन बातों का आवश्यक ध्यान रखा जाना चाहिए इससे संबंधित जानकारी डॉ. सपना शर्मा ने दिये अपने व्याख्यान का विस्तार करते हुए बताये की शोध कार्य की महत्वपूर्ण बिंदु जिसमें–अध्ययन क्यों किया जा रहा है, आवश्यक आँकड़े कहाँ से प्राप्त होंगे,चुनावों के किन आधारों का प्रयोग होगा, तथ्य–संकलन की कौन–सी प्रविधि का प्रयोग किया जाएगा,कितनी सामग्री या कितने धन की आवश्यकता होगी आदि के बारे मे विस्तृत जानकारी दिये अपने व्याख्यान के अंत मे डॉ शर्मा ने विध्यार्थी के शंका समाधान को दूर करते हुए व्याख्यान का समापन किये।

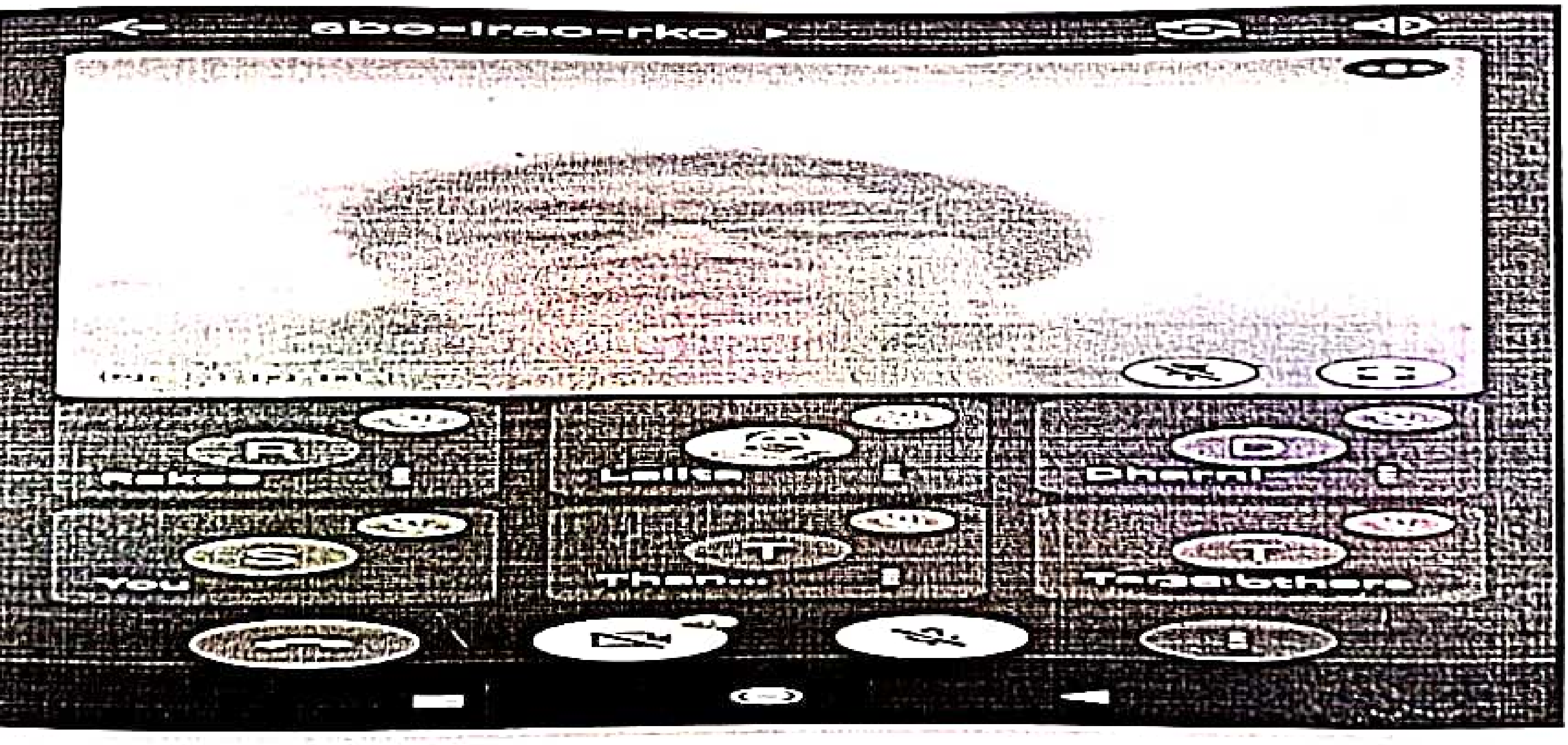

अंतर्विषयक व्याख्यान :–

दिनांक 01/02/2022 को समाजकार्य विभाग मे वर्चुअल रूप से "शोध प्रविधि" ("Research Methodology") विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ व मुख्य वक्ता के रूप मे डॉ.ए.के.मंडावी सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग शासकीय दिग्विजय स्व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव को आमंत्रित किया गया। डॉ.ए.के.मंडावी ने शोध प्रक्रिया के प्रमुख चरण अनुसंधान समस्या का निर्माण,संबंधित साहित्य का व्यापक सर्वेक्षण, परिकल्पना का निर्माण,शोध प्रारूप तैयार करना,आँकड़ों का संकलन करना विश्लेषण,प्राकल्पना की जाँच,सामान्यीकरण एवं व्याख्या,शोध प्रविधि को अपने शोध मे लागू करते समय शोधार्थी को किन–किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए इससे संबंधित जानकारी दिया गया। व्याख्यान के अंत मे डॉ.ए.के.मंडावी ने विद्यार्थी के शंका समाधान को दूर करते हुए व्याख्यान का समापन किया।

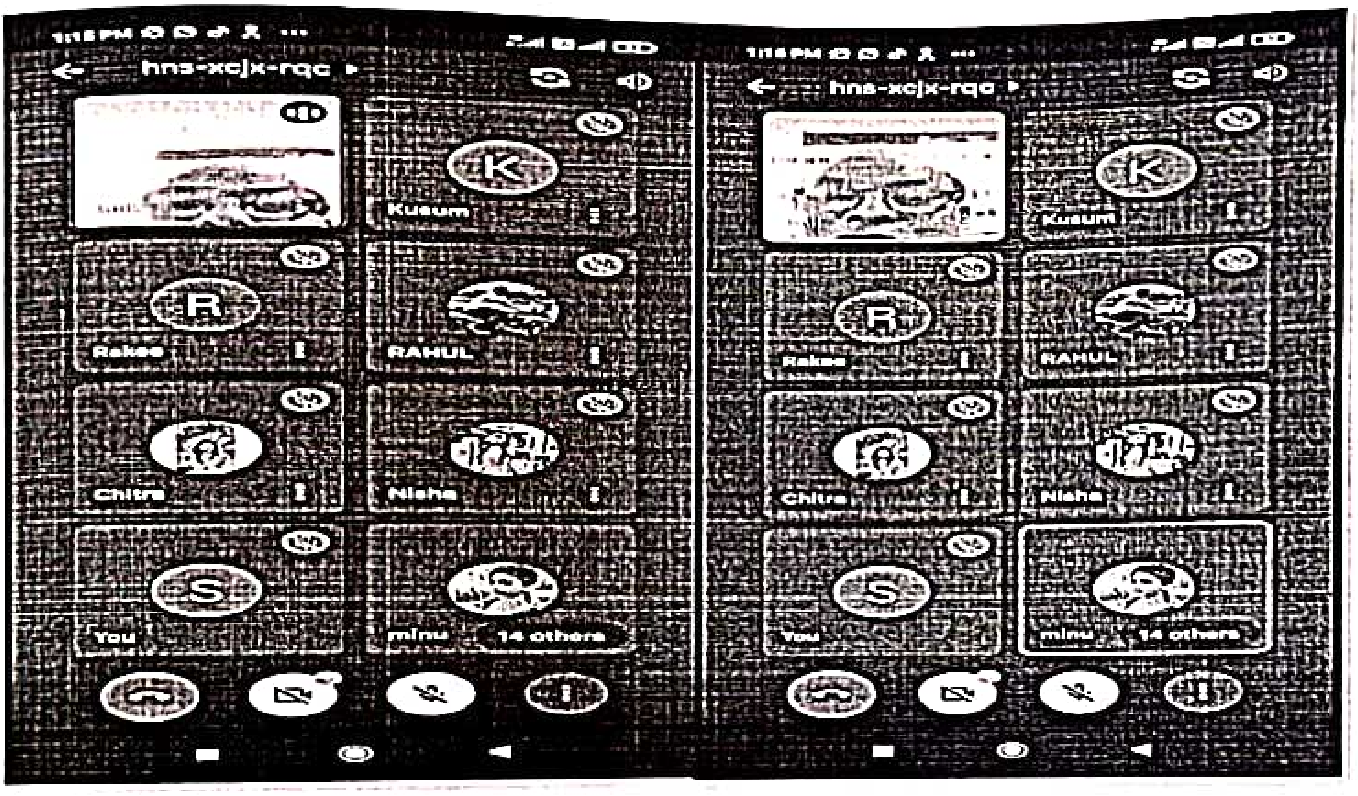

समाज कार्य विभाग में दिनांक 21/02/22 को अंतर विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया व्याख्यान की श्रृंखला में अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. मीना प्रसाद के द्वारा 'कोविड–19 का ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रभाव' के विषय में व्याख्यान दिया गया। समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के 40 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एके.मंडावी,समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू तथा समाज कार्य विभाग के अतिथि व्याख्याता श्री शोभित साहू कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दिनांक 21/02/22 को आयोजित अंतर विषयक व्याख्यान के अंतर्गत वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती सुमन बोथरा के द्वारा 'संगठन एवं मानव व्यवहार' विषय पर व्याख्यान दिया गया। प्रोफेसर सुमन के द्वारा यह बताया गया संगठन मानव जीवन में कितना महत्त्वपूर्ण है,इस संगठन का मानव समाज पर कैसे व किस प्रकार प्रभाव पड़ता है। संगठन एवं मानव समाज किस प्रकार एक दूसरे से जुड़े हुए हैं इन सब पर संक्षिप्त एवं सारगर्भित जानकारी प्रोफेसर सुमन द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। इस अंतर विषयक व्याख्यान में 40 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभागीता सुनिश्चित की।

"मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का संचालन"

दिनांक 16 फरवरी 2022 से 16 मार्च 2022 तक समाजकार्य व समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में "अपराध शास्त्र" विषय पर एक माह का मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अपराध शास्त्र से संबंधित अलग अलग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ.के.एल.टांडेकर (प्राचार्य शास. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव) ने किया एवं कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप में श्री आदित्य प्रकाश श्रीवास्तव (अतिरिक्त लोक अभियाजक फास्ट ट्रेक कोर्ट राजनांदगांव) व विशेष अतिथि के रूप में श्री शिशुपाल खोबरागड़े (समता जन कल्याण समिति राजनांदगांव) आदि अतिथिगण आदि आमंत्रित रहे। 16 फरवरी के पश्चात् प्रतिदिन अपराधशास्त्र विषय पर निम्न वक्ताओ ने अपने व्याख्यान दिये जिसमे श्री शरद श्रीवास्तव (सृजन सामाजिक संस्था राजनांदगांव),उमा आडिल (शास. [illegible] महाविद्यालय [illegible]),डॉ.जी.पी.रात्रे (शास. कमला देवी राठी महाविद्यालय राजनांदगांव),डॉ. सपना शर्मा सारस्वत(शास. विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग),डॉ.रश्मि कुजूर,गणेश नेताम (शास.भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव),डॉ.ए.के.मंडावी,श्रीमती ललिता साहू,श्रीमती टीकेश्वरी साहू(समाज शास्त्र विभाग,शास. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव),श्री शोभित साहू,श्री सुनील मिश्रा (समाजकार्य विभाग) आदि वक्ताओं ने जानकारी दिये इस मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन दिनांक 16 मार्च 2022 किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में श्री इरफान उर रहीम खान सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (पुलिस ट्रेनिंग स्कूल,राजनांदगांव) को आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में अपराध व समाज के संबंध को बताया, कि किस प्रकार मूल्यों के समावेश द्वारा अपराध मुक्त समाज की स्थापना कर सकते हैं। इस पर अपने विचार रखें और इस प्रकार से इस मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया।

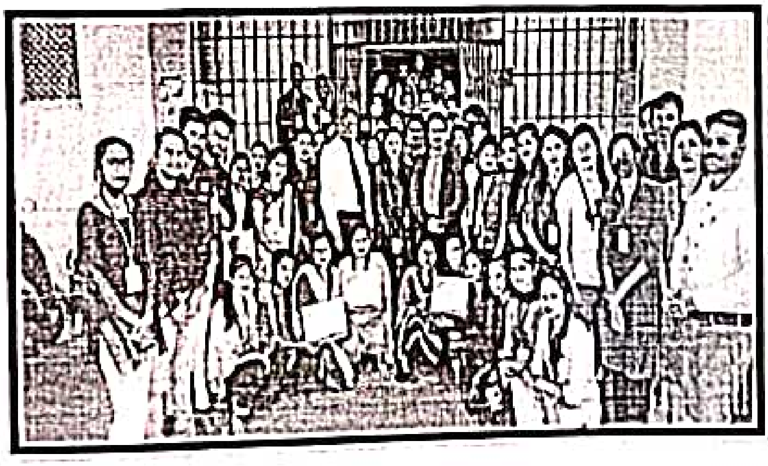

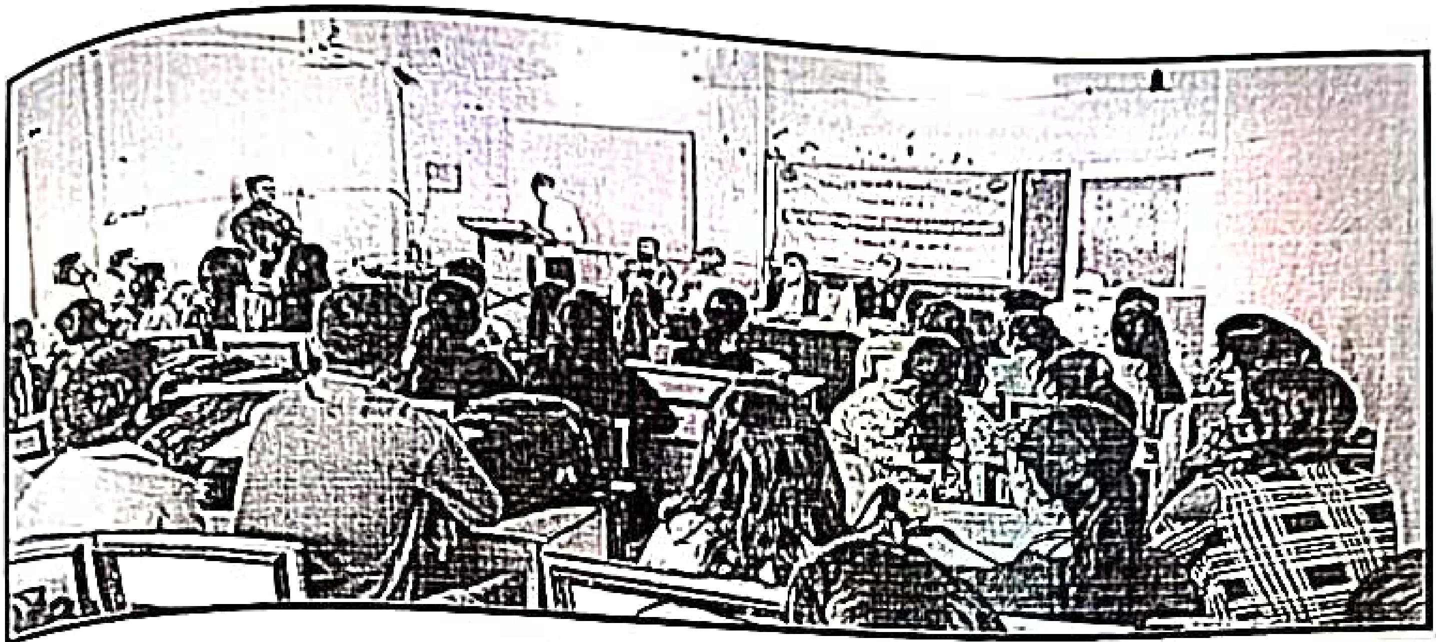

Value Added Course

"एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला" :–

महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकरण संस्थान वर्धा के सहयोग से उनके द्वारा विकसित तकनीकों के आधार पर "उद्यमिता विकास की संभावनाओं पर" दिनांक 3 मार्च 2022 गुरूवार को एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन गोंडवाना भवन,राजनांदगांव में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं और उद्यमिता के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। युवा वर्ग उद्योग से कैसे जुड़ सकते हैं,किस प्रकार अपना स्वयं का व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं,इस संबंध में नीतियों–योजनाओं–ऋण आदि के संबंध में जानकारी दी गई। कैसे युवा वर्ग ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के द्वारा अपने आप को आत्मनिर्भर बना सकते हैं तथा साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं इसकी जानकारी प्रदान की गई।